अपनी धुन मेँ रहता ह ूँ- भजन

अपनी धुन मेँ रहता ह ूँ- भजन
अपनी धुन मेँ रहता ह ूँ
राधे राधे कहता ह ूँ।
राधे राधे राधे राधे

जब से तेरा नाम लिया मेरा जीवन जैसे बदि गया,
मेरा जीवन जैसे बदि गया,
मारा मारा फिरता था मुझे तेरा सहारा लमि ही गया,
अब मस्ती मेँ रहता ह ूँ
राधे राधे कहता ह ूँ.....1

तेरी कृपा से श्री राधे मुझे, रलसकन का सदा संग लमिा,
ठोकर खाने बाि◌ा था गुरुदेव ने आकर थाम लिया,
अब संत शरण मेँ रहता ह ूँ
राधे राधे कहता ह ूँ.....2

ना जाने दुननयाभर केसब पार ही कैसे होते है,
सब पार ही कैसे होते है,
जो नहीँ ि◌ेते नाम तुम्हारा जाने वो कैसे जीते है,
अब राधे शरण मेँ रहता ह ूँ
राधे राधे कहता ह ूँ.....3

अपनी धुन मेँ रहता ह ूँ
राधे राधे कहता ह ूँ।
राधे राधे राधे राधे

"जय श्री राधे कृष्णा "

Apni Dhun Me Rahta Hu-Bhajan
Apni Dhun Me Rahta Hu,
Radhe Radhe Kahta Hu I
Radhe Radhe Radhe Radhe

Jab Se Tera Naam Liya Mera Jiwan Jaise Badal Gaya,
Mera Jiwan Jaise Badal Gaya,
Mara Mara Firta Tha Mujhe Tera Sahara Mil Hi Gaya,

Ab Masti Me Rahta Hu,
Radhe Radhe Kahta Hu 1

Teri Kripa Se Shri Radhe Mujhe, Rashikan Ka Sada Sang Mila,
Thokar Kahane Wala Tha Gurudev Ne Aakar Tham Liya,
Ab Sant Sharan Me Rahta Hu,
Radhe Radhe Kahta Hu 2

Na Jane Duniyabhar Ke Sab Paar Hi Kaise Hote Hai,
Sab Paar Hi Kaise Hote Hai,
Jo Nahi Lete Naam Tumhara Jane Wo Kaise Jite Hai,
Ab Radhe Sharan Me Rahta Hu,
Radhe Radhe Kahta Hu.....3

Apni Dhun Me Rahta Hu,
Radhe Radhe Kahta Hu I
Radhe Radhe Rade Radhe

“Jai Shri Radhe Krishna”